





Amrita Vani ( Lalla Vakya ) | Lalleshwari

☆ Favorite

<https://archive.org/details/AmritaVaniLallaVakyaLalleshwari/page/n3/mode/2up>

## 6.] LALLĀ-VĀKYĀNI

[Rājānaka Bhāskara's Sanskrit translation.

*ātmā parō dīnam rātrir yasya sarvam idaṁ sāmam  
bhātam advaitamanasas tēna dṛṣṭō 'marēśvaraḥ*

(From the printed edition.)

The following is the text of Stein B :—

पर ता पान ॥ यमी समोय मानो  
हिहोय मानो दिन त रात ॥  
यमी अद्वय मन सम्पन्नो  
तमी दिट्टो सुरगुरुनाथ ॥ २९ ॥

<https://archive.org/details/LallaVakyaTheWiseSayingsOfLalDedSirGeorgeGrierson/page/n17/mode/2up>



॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ लल्लोय नमः ॥  
पुण्यगोपतः ॥ लल्लोय नमः ॥  
कुपारु कउमु नमः ॥

ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥  
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥  
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥  
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

मभउ व कृपुभ<sup>ॐ</sup> सुमिवनिव  
 ॐ भिमु<sup>ॐ</sup> दल लीपरिगीयउ  
 मैक पग<sup>ॐ</sup> पग<sup>ॐ</sup> पग<sup>ॐ</sup> इयेगमं  
 य ऊ केवल न नृमुपु उरुव  
 मिउ उरु कणीकगेउ ॥ तथेके  
 पग<sup>ॐ</sup> पग<sup>ॐ</sup> पुये<sup>ॐ</sup> वरुउ ॥ उमुवनमि  
 नमः ॐ उरुः ॥ ॥ ॥ ॥ नरुमील  
 ली सुगि<sup>ॐ</sup> कवभ<sup>ॐ</sup> पग<sup>ॐ</sup> मंभा<sup>ॐ</sup> गम  
 उरुं<sup>ॐ</sup> रा<sup>ॐ</sup> म<sup>ॐ</sup> पृ<sup>ॐ</sup> व<sup>ॐ</sup> क<sup>ॐ</sup> ये  
 उरुिगभी<sup>ॐ</sup> उरु<sup>ॐ</sup> उरु<sup>ॐ</sup> वः किंउर



वैष्णवकृष्णं संस्तुतिनिर्द्वयं  
 निर्वैद्यं उतिभेदः भेदमभ्यस्य  
 सुतया ललितं विमलमाम्बु  
 रत्नमाम्बुमयं सुतः सु  
 सुतयस्तुतं ननु वदन्ति ननु  
 कवेन भेदिता उत उभयतः ॥  
 सुमागमं मागमं कृष्णं विष्णुं  
 मण्डलैर्निवृत्तं मण्डलममृतं ॥  
 मत्तमत्तवैः कल्पं वृत्तेऽपि मत्त  
 निर्विद्वत्तः उत मभ्युत्तं नैव मत्त

गसुत्रि, उरु रुयेम मय उत्रि ॥ सु  
 भति येनिभाय व भुम्भु का नु निरा  
 मनि ॥ भभ पुष्टैव के उय उते यात्रि  
 प भंगतिभा ॥ उतिभु उ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 यदुग्भा उम चग उं भु न म ग डि उं  
 उरु भु न म भ ये दे ड क वं म के विरु  
 लुत्रु रिटु म सु ॥ ॥ ॥ न व न व थ न  
 प ग र न म दे व प भा प के दे ड ॥  
 म कु कु म भे ला न र न म कु ग कु उ  
 ग के म दे ड ॥ १ ॥ न व न व थ न प ग  
 र न न व मं लि उ म य भा उ दे व दे  
 य म्भे उ ट प ग म्भे सु उ उरु के सु उ व



स्त्रीते परभाङ्ग स्त्रीते मृदभा मव

गउष्टुकमष्टुमुठि वउयष

उस्त्रु नम ह्रापुंम वधुन मरुडिउः

मवगः मुमुक्षुं ॥ मरु वपेभापकेरुड

मरु मय मरुडुडु नरु वरुडिमा

गस्त्रीवनं मयउ किउ मरुडिउरु

मुगैष्टुक मभा ने निविठ गेनरुडि

यषा ॥ मरुडि मउपव मपडः मरुडि

पिउषाय स्त्रीवेमिडुं ॥ मरुडि उरुडुं

पके मरुडि मरुडि मवगउ मरुडि

मरुडि मरुडि मरुडि मरुडि मरुडि







पं वृद्ध मुकुपे पगभा मुभा मउ  
 मृकवः एके न स पगमे न भये भे  
 मवन भे वण यै ह्ये यउ उभै पग  
 भा मुनि पग मे मुने के भा गये वनरा  
 ग भग म् मि मि रु व वृ णि क भूि रु  
 उ भि **मृलु** मया वल्ला मु मि भ न न भ  
 मेय के य रु व गे गं वि रु वि के रु न  
 भु मि कि रुं रु उ रु य उ व भ **मेव**  
**मेव मः** ॥ वृद्ध व के म वा व मि वा व  
 ॥ ॥ न रु मे डा मि भ ने रु व गे गे य उ रु ने य ये  
 न मि कि रुं रु गृ व उ नं म रु व डि **उमि**  
 रु ना ग ले उ भू क मा रे नि म रु भ ग ले

उ भउ मि उ ॥ मि उ य नि ग ले उ कि  
 रु न के नि गे रु रु वः मुः वि भ ल्ल न  
 क उ उ कि उ ॥ ७ ॥ **रु ना ग ले उ ॥**  
 मु मे वि मु मि भ नी प रु ध ये मे ये ग  
 रु मे न य के न प ल य भं क रे वृ यं  
 मि व क रे म रु ग मि वि वि ण प क र  
 रु मि डि रु ग व लं विल यं क रे उ मः  
**भू क मा रे नि** उ उ पु यं न पृ म रु मे  
 मे भ न मे म धु म ग डि रु व नं ले के  
 य रु प व भु यं म उ रु क प रु ध मे  
 रु **मि** भ नी रु व उ म रु **म ले उ** उ उः  
 भ ने न मे म रु मे पि वि नि व रु उ **भउ मि उ**







गिच युगक मरि पापुमडा  
 रुतानि मेरुदुक्तुः रमलन  
 मिक मुः ये पापुल्लु नेरियनि  
 व. का लि. प. म. प. सु. प. मुः प  
 पुक मेरिय लि. म. पु. ल. पु. न  
 मभा ने. रु. न. वृ. ने. प. पु. पु. ल. मु  
 भने वृ. निः मि. तु. र. रु. ग. म. यः म  
 उ. पु. य. तुः क. र. ल. नि. र. उ. नि. म  
 उ. चि. म. ति. उ. रु. नि. रु. ति. ये. ग. पु  
 र. नि. मि. ती. रु. पु. म. रु. ने. पु. प. मी. प  
 पु. पु. ग. रु. मि. म. च. म. ग्री. रु. रुः ॥

यमेरु नापापु मे प. म. पु. पा. पु. रु. ग  
 सु. रु. न. म. प. लु. वि. म. कं. य. उ. न. म. भु. ग  
 रु. र. ल. म. र. ल. उ. रु. द. ल. म. भा. म. र. ल. ॥  
 प. ति. म. के. प. र. म. रु. रु. वे. न. मि. भ. उ. म  
 रु. रु. रु. रु. उ. र. म. उ. ने. वि. रु. मे. कं. म. च. ग. उं  
 मि. रु. क. म. वृ. यं. मं. ये. ग. रु. वे. न. वि. म  
 ज. य. न. ॥ प. ति. म. के. म. ड. वि. पु. रु. ड  
 रु. रु. म. ड. ड. रिः ॥ उ. ति. म. उ. तिः ॥ मि. रु. रु.  
 मि. उ. रु. म. रु. मे. क. रु. रं. य. रु. की. ति. उ. म ॥  
 रु. क. र. उ. क. र. म. क. र. मि. प. र. मे. रु. र. मे  
 प. रं. न. रु. रु. पुं. ॥ म. प. ग. वि. म. प. ग. कि. उ. ॥



उमोपरभुपुउमे विमोपरःमिरे  
 म॥॥॥ विदुः मडिउः उमभुउं  
 योगयलं विष्णुप्रसिद्धि उदुः उदु  
 ऊः ॥॥॥॥॥ ननुमिवमभुउदुमि  
 ५० ननुदुमभुउ य किः मडिदुदु  
 वदुववउः मडिदुमभुउदुमि  
 विदुमभुमिदुमभु ॥०॥॥॥॥॥॥॥॥  
 उदुगगलिमभुमविमिभुगग  
 लिउमभुमिउ॥मिउयलिगलिउ  
 किदुनकेमिमुदुमभुमभुमभु  
 गोव॥॥००॥ उदुगगलिमभुमविमि



उत्तुमिभचमभुपा० वमिनीवैष  
गीरुवति, फलपत्रनिमिउं वृक्षधु  
वउउधुवदकलेरभंयष, भवै  
पगीहउः भउेसुगल् पदेउभपृभ  
उपेनिवउउ, मगकुलेमवृक्षपि  
फलपउं भवृभभइमं विभुसुउयउअ  
भपृभमिभउेसुगल् सुपसुतिनभ  
मिउउिविवेकपदेकउेउिविलयः॥  
मापमिभभुपमुदिदुभलमुधुय  
उिउमं, ममिरकलेमयष भउगग  
लिउभउेमिउु उउः पसुती नविविवेक  
पदेपिविरुभभनंमिउंयउहउियम

उत्तुमिभचमभुपा०वमिनीवैष  
गीरुवति, फलपत्रनिमिउं वृक्षप्र  
वत्तुउधुवद्वकलेमंयव, भावै  
पगीउतुः भवेसुगल पदेउभट्टभ  
उपेनिवत्तु, मगकुलेमवृक्षप्र  
फलपत्रं मभुभाइमंविभुत्तुयत्तु  
भट्टभमिभवेसुगल सुपसुत्तिनभ  
मिउत्तिविवेकपदेकरीविलयः॥  
मापमिभमपभुदिद्वभुलमुधुय  
उत्तुमं, ममिगकलेमयवभकुगग  
लिताभेतिमिउत्तुः पसुत्तीनविवेक  
पदेपिविठमभाचंमिउंयत्तुत्तुयत्तु



[illegible]



रणीवः॥ गृणीरुति॥ उभयकुं वं न कते  
 डिभवेगुं वपयपयमि ककुलेरु  
 यदुपदः पभयं के ऊ॥ रूग कउउरु  
 नभन॥ केग भुतेपि भन भुपुि रे वशिपि  
 व॥ पुनसु रू ड उ क ले केग व भ नउः  
 गृडेडि रणीवे किल ध॥ ले के वि न रणीव  
 भति॥ अउए व वि न ले क मि व भ न  
 रणीवे नरय उ श्रिय उ क सि डु म मि उ  
 रणीवे भति॥ यउे परभा डु ल क डु उ  
 धव चुरुधः निभु डः भव क भे क  
 ऊ व ले पि के ग ली ल य भे निभु न  
 मे डे नरय उ न श्रिय उ रणीव भे भन

रणीव नु कुः मेया (रुन रुन सुकुपे  
 उरुतः॥ मवेत्ति य गु ७ रु मं मवेत्ति  
 यविवज्जितं॥ मम कुं मवरु सुवनि  
 नु ७ गु ७ रु कु म॥ उति सुति ॥ ०३॥  
 नउक म ऊए लेरु मि य नु ७ रु ये  
 रुः के सुये न भरु उ क वं पू व उः नि  
 नु ७ गु ७ रु रु मे रु म रु रु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ये मे धि मि उ मे धि मि मा म क ल मि वि न  
 उ रु मा॥ रु ये रु या मि न सु मि न मि  
 उ मि सु ध न सु मि रु यि य म धु मा ॥ ०३॥ ॥ ॥  
 ये मे धि मि ॥ य नि रु य रु व ति य नु ७ नि



उभैविमि उनिभु उययुतिकभः  
 मेभगभाभुकडुगगजीराः॥  
 ऊपिकलगिरुमुपिपुनःपुन  
 केलुमिकयेलेरुमुपुनःपुनकुल्य  
 मेविमुराभिनिरुमुविकविगा  
 मेके॥ मेडंमेकेरुउनेकेपिगमि  
 उडं॥ भपुसुतिभुउउरुवेनपुभादेन  
 कापिमुपिउकापिउतिउकापिमंडगः  
 करेभि॥ सुडकुंमपुलडउउरुवेन  
 भचरुउउरुवेनभाकिभाउडंनिनु  
 लंडंभचवृपकेडंमुकेकुमाडं  
 कउडंभापीउडंमुःपीमाडं

सुभनपुकरुं भुलपुकिभंवेग  
 रुडंवमकेडभाभुभिपकेमुवृ  
 पुनवेउभेडंमुउनेपवलिउभा॥  
 भचरुःभचकडुमवृपकःपुन  
 मेसुगः॥ भावडंमेवपुमउतिरु  
 मुमिवेरुवेउ॥ उतिभुउ॥ नउडं  
 मवृवमकेरुउरुवमडेकवति॥  
 उउरुः॥ नउरुडेराउःमिवेपिभा  
 किभाउेनिगडकुरेमरुतःउडिके  
 डंवमकेउंरुनाभिउमकुमपवि  
 डगति॥ यवाभुदभयेगगिरु  
 हउ॥ उवभुभुदंभुलपुकिभुदं



म॥ इमं म॥ गिरुं म॥ व॥ ॥ ॥  
 मि॥ ॥ म॥ क॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 उ॥ क॥ म॥ व॥ क॥ म॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ व॥ क॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 मि॥ व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 वि॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 न॥ य॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 मि॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 रु॥ व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 उ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 मि॥ व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 उ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



मिवागेरुते केमवापलनभायुद्ध  
 पायडि उलमिभा ॥ येगीयेग  
 कलिपराणिभाकमेदेवाय  
 सुवागपि ० मिगभा ॥ ०२ ॥ ॥ ॥  
 मिवागेरुते ॥ मिवेभकागप्रेमले  
 केउमुवाडनभुसुः केमवापल  
 नभा केमवेधुकागनभकभयं  
 रुवलेकसुवाडनभनमि  
 पदाभा ॥ वृद्धपायडि उलभा  
 वृद्धवेधुकागुपंकुलेकेमु  
 वकमरुभीमेपानभुमुतेउद

इयडुकावकुलभते ॥ येगीपगुरुभा  
 येगीपनपेभिये येगपुनमंरुग  
 ननपमुतेउदं देवभित्तुः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 नउकेदेवः किंनभकिंकुपकः किभा  
 सुमेकिंवल्लपमीउमुसुमुमु  
 किंमेरुवेदिमदु ॥ ०२ ॥ ॥ ॥ ॥  
 सुनडगापभुमुपासुटलयाउभा  
 वावल्ननउपागोसुग ॥ सुननि  
 नमवकुवडवनेयाभेयादेवाय  
 सुवागपि ० मिगभा ॥ ०५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 सुनडउः पभुमुयेयेमेभेकमभ  
 येयडुमुतेउंयडिमुटलयंरुक्तियेगेर











निगमयभृष्टते, देवीवत् उवाम  
 निश्चिये निम्न, नृभादे एवमवमि  
 लावदुत्रममदि उः देवलया  
 प्रियं यं देवः ॥ देवे देवलये  
 देवि देवी देवे मममिवः ॥ ॐ नमो  
 उ, पि ७ ७ ३ ॐ देवभाद्रुन नमः  
 च नृभादे उदेन पंग गतिं यमन  
 वाति सुक वति उदे मममः कुन ॥  
 उम नृपु नृ विमारी देवदि  
 मानी सुयमते गति नमवति सु  
 पुन नृम मं प्रविष्ट उदे मममः

प्रणम कमा कमा उम नृपु नृमि  
 वन कमि नृमि देव पापु देवल  
 ये व उमि नृमि निन गय कति  
 पुमे उरु उरु वृद्ध पृथु ये  
 कमभा एक ॥ ॐ नमः ॥ देवभाद्रुन  
 मं नृममिय उमे कमि नृमम  
 कगमनभापवनभाभद्रुन नृममि  
 ल्य विकल्प दृक ममः मच मधु  
 ऊच नृपु गे मम नृम कगमम  
 मम मम नृ ॥ उदे निम्न नृभादे म  
 म नृम नृम मं विमारी व नृममि नृये











इह नगत्रुभुगुगुगुवविहः  
 किहुनत ॥ ननु उल्लेयभुगुगुमि  
 लेकेषु गत्रुभुगुगुकिहुनत ॥ ननु  
 गत्रुलेकेषु वृद्धकुवगुमिभुगुगु  
 वृं ॥ किहुनत ॥ कुतः विधुलेकेषु  
 वमिवलेकेषुगुगुवृं ॥ रुद्रांति  
 किं उरु नभयं यं च ननु कममनि  
 कं यतु मि वमुकुपं मि ननु वेणु  
 ननु च ननु भववृथी ननु मेग  
 म्मिहः ॥ ॥ ॥ ननु मि वमुकुपं मि  
 ननु वेणु ननु धिः कम् ननु यत्र

उह मद्रु ॥ ० ॥ ॥ ॥ भुमे ननु मद्रु  
 पमुगुलागा ननु ननु उकले  
 मुतवने ननु ननु धीमुभा ॥ य  
 मेय वेया ननु पितुभा उवेयाव  
 लमेय ननु यतु ननु वृभा ननु  
 भा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ भुमे ननु उह विम  
 गत्रुः भवेय भनकः  
 भा पु भा पु मद्रु ॥ ननु मद्रु  
 लागा ननु ननु कले ननु धिमु  
 वधि नि ननु ननु ननु ये येगय  
 उरु व ननु धिभच ननु विभन  
 भा ननु ननु ननु वत्रु वत्रु



[illegible]

नमि मिव मुकुपे मिदु क मापृ  
 भुङ्गं नलि मुक ग न्नं क द  
 म क्त उ य म अ वि मु न भ उ जी यं  
 पं म वि म ज्ञ नं क व ट् भा क ल  
 वि म यं नि म्म लं मि म्म द्म न्म न्म उ  
 पं उ द्म प्क म भुं ये मी म्म उ  
 ये पं मी म च र्म उ क व ल मि उ उ ॥ ॥  
 रु क्ति ये ग भुं उ द्म क भुं उ द्म  
 गं व ग्म प व कः रु प्म व र्मि नः म्म क  
 म्म व र्मि ले क उं उ म्म द्म ॥ ३३ ॥ ॥  
 भ न म्म रु व म्म ग म्म क्ते उ क्ते प उ न ग  
 क्ता प ॥ लि क लि म्म रु न क्ते उ उ ल



उल्लुङ्गितेला नम्रा ॥३३॥  
 भवमाकवमगमा भवेभयैद्य  
 मरुलैविवहुतेयपरभाऊरु  
 नडीनः कवमगमेडगमपावेन  
 भेडिडागनः **हे उकेयतागकु**  
 उरुवत्रियेभडकेणकगेपरम  
 गंकेययत्रुमिधवलवडुंउधुं  
 लेरुडुकत्रैवउधुडवेड**लिक**  
**लिष्टकुन** ॥ भडकभकमुकभ  
 वमंरुधुमडकध्वमत्रियम  
 गमा **केटिउल्लुङ्गितेला नम्रा ॥**  
 मृडेउंरुचमभाउंकेटिठरुउ  
 लु

उःपमयनमुल्लुङ्गितभायभेडिडा  
 रात्रुवः भडधुभामवलनिडुड  
 कगकनविडुः उचमभाउेपिउ  
 मुभेकपिमदुपभाउेपिउल्लुङ्गित  
 वेडाकभडुःपीरुवभिनविगन  
 डिकसिद्धिधभनमे उडुडुः ॥३३॥  
 नरुकभकेणमिधकुंउतीउःमुकु  
 निलेपणमवकेभिकेनणमकम  
 पणनयेपरभाभउमधुपुपेपि  
 उडुमडु ॥३३॥ मिल्भानके  
 यापत्रुडुभकुयेभगटेभलय  
 रुवावा ॥ उभेयभेभमुवलगडि



उयभा उगिमे सुनुनि ला ॥ ३२ ॥  
मील उभा न **कृया** ॥ सुनुनि लेप सु  
मील उभा नः सुनुनि लेप सु  
मील उभा नः सुनुनि लेप सु  
यः ॥ **पट्टि** ॥ सुनुनि लेप सु  
रुतुगं मित्रयं मम मभुलं मव  
वृषक मभुलं वे मके रुवमि वृक  
माप नं पश्चिपुके यष मलभु  
उज उय मभु उरु उरु पकं नीरभा  
॥ यष मच गउं मे कृमक मं ने पलि  
पुउ ॥ मच उरु वभु उरु उरु उरु उरु ने प  
लिपुउ ॥ **उरु मभु उरु** ॥ **मकृयं गे मला यरु**  
म वरु

सुता वयः कस्मिदु नवः मंयु क  
उरु उरु उरु विलयं कगे उरु विषय व  
मन मल मिमधु कव दु गेम  
गं ये गहृ मा पुधु वल यरु न  
निह वै गगेन **उरु यरु** गरुपि म  
नेपिये मठ वल वीरे वरु मभु ले  
**मे मभु वल गहि** सुनुनि लेप सु  
गुरु कजियु की उं सुभु यउभा यध  
विमने रुवे हृषा उरु मिष्टे उरु सुभु  
सुनुनि लेप सु **उयभा उगि** ॥  
सुता वयः मच मी व उं मभु उं  
एक गुरु व निव उं कगे उरु यः **मे सुनु**  
**निहला**



मम च तीतः पञ्च अग्निदेव गतिः ३  
 मेम प्रदुक्कः येगो नृक वे म्भु ३  
 म्भु उतुक्कः ॥ नत्र पञ्च अग्निदे  
 धनिवार ल यक्ति वरि रभिकिं  
 उक्कि ग्भु उं म के न य उ न के म्भु ति  
 उ म्भु ॥ १२ ॥ धिवन म्भु उ म  
 मिकल विरु मा पु क उ डि रु मा य व न  
 मुते ॥ लोल म्भु रोगि मि व ल लु की के रु  
 मा म्भु ग ल के मा उ मि मु ते ॥ १५ ॥  
 मिवन क म्भु धि प द्दु क र ग ड न म्भु  
 व न म्भु उ यः म्भु धि र कः प म्भु धि म्भु  
 न प म्भुः म्भु य क्ति उ म्भु म्भु म्भु ॥

म्भु ॥ उ म्भु वि म्भु ल उ उ न  
 र्णी व प र म्भु क्क व म्भु ये ग न  
 उं ध म्भु व ग ड न र्णी म्भु धि  
 क न म्भु म्भु म्भु म्भु म्भु न के  
 म्भु क्क य व क्क पि व य वे उ उ  
 उ म्भु म्भु म्भु ग ति उ वे म्भु न उ न  
 उ म्भु न के म्भु क व ति म्भु क ल  
 वे रु मा ॥ म्भु उ प व उ न य क्ति न  
 प्र वि म्भु उः म्भु वे र म्भु उ र म्भु  
 म्भु क ल प्पु प र म्भु उ म्भु म्भु  
 य रि म्भु जी य उ उ म्भु य म्भु क्क  
 मि ति उ म्भु क वे न उ म्भु मि उ म्भु उ



यद्यपि तं यन्मिन्मृगभरविगं  
 ध्वमतिथिः उः उद्दिष्टमि  
 कलमेडप्राप्तिमृष्टमिडिकवय  
 त्रिविधे स्तनः ॥ **पुनः उद्दिष्टमि** ॥  
 गये नली वायुः पंभने वृष्टिरेवम  
 मृदकुरा उद्दिष्टमि वृष्टिरेवम  
 गधुण उद्दिष्टमि गवतृष्टमि  
 लनयमधुणमि वृष्टिरेवम  
 मुक्तमि नदी वृष्टिरेवम  
 निवार ॥ **यवनमुते** ॥  
 धानमि मडि उद्दिष्टमि  
**उद्दिष्टमि** मृदकुरा उद्दिष्टमि

मचगाउमकंपुनधेउमेगतिरुद्ध  
**लेलमुष्टागिवालि पुनः उद्दिष्टमि**  
 उद्दिष्टमि उद्दिष्टमि गवतृष्टमि  
 गगमधुके भनः मुष्टकुरा  
 वृद्धमि उद्दिष्टमि मृदकुरा  
 उद्दिष्टमि मृदकुरा मृदकुरा  
 य ॥ मचमुष्टकुरा मचमुष्टकुरा  
 गमिष्टकुरा ॥ ननभनमुष्टकुरा  
 मिष्टकुरा केनमुष्टकुरा यतिवेनप  
 भाउं पृष्टकुरा मिष्टकुरा ॥ **३५** ॥  
 मिष्टकुरा मृदकुरा मृदकुरा  
 यमृदकुरा यतिवेनप ॥ **३६** ॥



वमिपमेगठेगठेपु...  
 पाना... ॥३॥  
 मिउउजभागगनेरुभवने मिउ  
 रिपः उरुः ममचगठिचाय  
 लक... कमेरुभयतुः  
 निभेममरुक ठियेरावलक  
 उरुपियेरावलकं मगभिनः मुकु  
 उयेयेभाय कभकमः यषभन  
 भगीमिक मैउरुवगियमेगठेगठे  
 येनमैउरुमुमुपुपुनभाजे  
 निमुला उरुवरुजियेगयुके न  
 उंकेगेतिनिगूढभा पु...  
 उरुगपु गगगउयेनभनिरुग

रुममेरुः ॥॥॥ नरुमउभिरये  
 लेकेविवडगभरे मधुभिमरुपि  
 निगिद्रियेरुवभिकवभुमुउलरुमु  
 मभुंकेमुवरुति हुमः ॥॥॥  
 गालकउतिंकुलापठिनिंयेनि  
 उयभायेरुमि ॥ मडराकुमभ  
 प्रसाकउतिंकुमुनलाटीकभाहड  
 भूमि ॥३०॥ गालकउतिं ॥ सुवव  
 सुवमुवम कषयतिउरुवरुव  
 नरुवयतिभभकेपयतिमरुलनः  
 संभाभमजभायभेडिउः यमु  
 कमुयवमिभ उषकगेतिभरुवे







विलयभा **उरा नीमुमि** गुरु वलेम  
 नृमेनम, भनरुमभुतुगुतिमुकु  
 ऊपभा **कुतलागगरभा** कनेविकमि  
 मचकुतलं मातुरिऊगगनेडिडी  
 येथारे, भनेभयम नृमेपिउखरुडी  
 येथाम्भुतुमगिरिडिवनेमे, मोध  
 पुपदेकरेडिविलयभा **मन्त्रगङ्गा**  
**मेनभावभु** पुल्लपुममंयवम  
 नृभुमुगु सुतिगदेगुल्लभचक  
 लानं कुतुपुभावभुयंयव **मिव**  
**प्ररागागुडमिमडुमु** उमपुमुगु

पकोपुपुपुने उरयेदुविल  
 येमः मेममुदुडकोमुउडुः  
 नरणीवः कुदिपामादिडेक  
 कुवंपरनडिउडुगंउममीउडुडुः  
 कवडियभाकुमुभिसुगमवरसु  
 कवेकुनयुकेनपगभाउपुपुगि  
 टुमडु ॥३५॥ **॥पियनगति**  
 नचमभनउरेकुतुयभेडवेउ  
 भागयापमु ॥ **माभुगकेरुडा**  
 यभरुगुकुतेमडनेयापमेया  
 पटुलमु ॥३७॥ **॥पियनगति**



ममकः प्रमथः प्रवृत्तममन  
 सिउठमदुकिंनकरीतिकुदिप  
 ममिनिवगलकुमेगाडगः ॥  
 मित्रिभुनिवगलकुमेगुगुड  
 कवत्रिमिडनः ॥ नमभनकुमेभने  
 भयः प्रवृत्तिमनिवगलकुदि वि  
 वेकउठमजीरुड ॥ नैवकिप्रि  
 कुरेभीडियुकेभटउठदुविज ॥  
 पसुकुउठममिप्रवृत्तममन  
 सुपसुभन ॥ प्रलयविभरानु  
 लुत्रमिधविमिधवपि ॥ ॐ नमः

श्रीविष्णुपुत्रवत्तु ॐ नमः  
 यना ॥ ॐ नमः ॥ इत्युयभेशुव  
 ननुमावनेकवतः, एततिभम यतः  
 प्रकः प्रय कलेयभकये  
 कतेतिभमकः नववेदुभकन  
 मकीभमणउठवतिकुदिपाम  
 मीउठुभपकुः पमिगुडुडिउ  
 रकेभुडालेकमः उषवविष्णु  
 यउठममपुडभिरुमेवकगव  
 वृवः कुचत्रिमिगुडपरिपालन  
 उठभुडः सुभनपुकरुयथा  
 भामपमववृत्तनभक्तिः प्रकृति



योगयुक्तिरुवे कुरुमुनंरुक्ता  
 उंगयापमु ॥ उधभुचंपांग  
 तिमंभुधिरुम सुमभगमि  
 वृष्टिनमनेमिकिडु रुवेउ ॥  
 माभुगठेराग यतुमीविष्णु  
 गरुडपुष्पे उगमयः गरुड  
 पुगल्ल मीधवतीमीभडेमुग  
 मंकाभुउतुमंरुतेमाभु  
 वेमपिपडाग नरुकेतु  
 मंवाभुपिनरुकेतुमाभु  
 वरुम्वल्लनेति ॥ यभरुडाकुते  
 यभरुमभडकयकभुं रुवतियेन

उनमंडतिणीव नपुनःपुनः  
 निवतुतुगुडमंभगवतुनिभेड  
 नेयापमेया ॥ उंकलपुरुषभु  
 भिकिप्तिरुडनेकिंतुपुवुडः  
 पटलभु ॥ भडणीगवचुरुषः  
 भमनरुभुतुपेणीवतेकल  
 रुयतीतेपुनल्लमविभुज ॥ उडः ॥  
 नरुकवठेरागडंकरेभिपुल्ले  
 ववपुल्लः किंभुगंकरेभिवभं  
 भिनवविवापुगमि ॥ उडमड ॥ ३१ ॥  
 यवतुगमलिउभुगडितुकुण  
 यवमलिउभुगगभुव ॥ मित्रुप



सुविष्णुभापि उमि उमैडभा  
 वगैकडावग ॥३३॥ **यवउम**  
**लि** ॥ गूडतुंगवगै, नवेवग  
 नैकिपुमउंउवमंमीउनिवग  
 उकुमकिभनवज्जिउभनमुं  
 यकवतिभवलंवरुं वकुम  
 उममुगभा ॥ **कुणयवमलिउमुग**  
 येनकुपिपभाकिपुंविनिवउ  
 उ, मुवंरुलंफलेकींगवउउ  
 पल्लेधणयः विगतमेके  
 पुगवुवमहउमुगातिउगकः  
 रुवेमुगउवगगमः कुरु ॥  
 एवैवभाउभनभउविमंभवि ॥

डिपुउमभुमभमुवउनः ॥  
 पुगवुममुवकिभनवज्जिउ ॥  
 भयुवभाकडुविलीयउउउः ॥  
 उतिमुउ ॥ **मिउरुपमुविष्णुभापिउ**  
 उभाउतिमिउयवपमुविष्णु  
 मभाउग, केडंकमुमायंमंभा  
 यभाउमिहं नमभयं मुलम  
 गीं नरुवमि मुकैपियमिउय  
 हउः कुरु ॥ **मुनरुवमि, वंमु**  
 नंभा किपुकमंकेवलमुउये  
 निगभयेमिकिउउउउपभाकवति ॥



मिउरुडभावनकुडवन नधुर्वी  
 नरालेनमिन्नवायुतेनवफव  
 न। लधंभाकि...भाङ्गनंमिदुपं  
 विद्विभुजये॥ ॐउमउ॥  
 मिउकलेनमभमभमि वरुय  
 डेनयउतेडं उतेपिउडिमांनवे  
 द्विकवभाङ्गकवडिकलरुयडे  
 नयुडेनभुकिमुमिहमङ्ग॥३३  
 मडराभा मभमभनगकिॐकि  
 ध्रुवापभुकिमुग॥ मलिलभा  
 लवनारनभुलेउगकिउति  
 ह्येयागलरुमडराविमग॥३४

मडराविमग॥ मिवाङ्गकभेक  
 रुवमेउतुनिगकगभुङ्गपेमि  
 उनंमडरांविमगभुमुते ॥  
 मुडमेकैपिभुङ्गमुमुडभाङ्गी  
 मरुवयः॥ उरुडंनउमउडे  
 विमगःमेयभीमुमः॥ ॐउमउ॥  
 मभमभनगकि॥ मडराविमग  
 रुरावउंकेवलंनभुमुभेभः  
 कगभाङ्गनिरुपयेकिणीयते  
 मुमुरुपरभेमुगमुगुडभाङ्ग  
 कगभा॥ ॐकिध्रुवापभुकिमुग॥  
 उभमुडरुकिध्रुयुङ्गनयेग







लेखभागेनामदराविमारे  
 दुर्गेरनेनाकल्पनाश्व॥ नम  
 क्रियाउत्तुगभोगारे॥ मुद्रम  
 मुद्रमेलेनागवा॥ ३०॥  
 लेखभागेनामदराविमारे॥ दुर्गेरनेना  
 कल्पनाश्व॥ ५॥ वृत्तिलेख  
 यः भागं यत्, निवृत्तिलेख  
 रं विमारायुत्तुगभोगारे  
 मि किं त्रं पवं अस्तु नं वत्तुम  
 दस्तुनकधुकल्पनाभाउत्तुगभोगारे  
 यम् दस्तुनकधुकल्पनाभाउत्तुगभोगारे  
 मं यत्तुनकधुकल्पनाभाउत्तुगभोगारे

नवे ॐ विष्णु विष्णु महे मृगमि  
 नकमिकमयः मृगमि मृगमि  
 गम, वमिधु, वृम, मुकमेव, पमम,  
 मयः मचरुमृवत्तुनामृल्लुनविरे  
 एकं उदुमुद्रुप विपम उदुवेयः॥  
 नगुगेगणिकं उदु नगुगेगणिकं उयः॥  
 उदु ल्लुनपं नमि उदु मृगमि मृगमि  
 ॐ विष्णु विष्णु महे मृगमि  
 नकमेवः क उदुपिम मृगमि  
 वत्तुः क उदुमि विदुमदु॥ ५॥  
 मिम नमृमृल्लुनपक ममायमृमृ



ॐ शीवत्रुभुक्ते॥ विममभाभंभा  
 रनेभाथमभासुचकुगभुम  
 उमउरुते॥ ॥ मिमनरुमाहून  
 भुकमभा मिमनरुभुभुयंयभ  
 रुदेवभकंयतुहूनभुकमभुते  
 यभेभुनेते॥ शीवत्रुभुक्ते यनिरु  
 त्रिभुगत्रिभु, उनिधनरुत्रुविभुज  
 शीवत्रुभु, उमभचूनिजउभुच  
 भादिकुतेन, मेमगुतुठवेनपि  
 लेवृथकं, उलेधुतेलेयष, निरु

मेतु रुवे रुम रुप ये म् रुय  
 निभितु भा ५ ॥ ॐ मील ल्ली उव म् ॥ ॥ ॥  
 ॐ शुभ्री मविक मभालयव  
 वे गगनभा मुगु ल्ले मभिमू  
 ८ ॥ मुद्र गले उ श्रु न भया भते  
 ये देया उपदे मा कृया रु ८ ॥ ॥  
 शुभ्री मीगु रुं म् रु कभलं  
 प्रभादेनयः भ ० कः येगा रुभन  
 भाजे मविक मभालयव वे ॥  
 मिउ वु डि मुल मुद्रु विक मिउं य



उदिलयंकगेहृत्तमत्रि गगन  
 मा गगनेतिभकगृष्टः मुल्लिक  
 नभ्रेतुभौधुपुपदे मुगु मुगु  
 मुगुगुगेवमु सुकगउकगेमु  
 पुरुगुगे, रुकुवे, महुं मुलेभभि  
 मुगु निवृत्तिमंकगेतिभः मुह  
 उतः भकगेपिमुधुगृष्टमुहयउ  
 वापिउद्विरभेकुगेमिद्वंउरुव  
 उद मुकुपेयगभाभुते गलेउवि  
 निवउयउ मुनभयभते एकेनभये

निविमेध मेउतुमुकुपेयगभाभुते  
 विरुमभानः यथाउभमुमुमु  
 गमुमुगुमुति केवलेवरुहृ मु  
 मिहः यदेयाउपदेमाहृया मदेय  
 देमेयंवेमउवृद्धमिद्वंउविमिउ  
 यमुभकुः रुह वृद्धएष्टिउः ॥ ॥  
 नउकखंरुनीभेड उदनाभयपदं  
 वेमगभेन, पांभाउल्लु, यवभे  
 नंरुवेकुमिवमक्तिएनएगल्ल  
 मिहउतिमि, मुहु, पिरुवति उहमहु ॥ ० ॥



॥॥ व क भा न भा कुला सु कुला न सु  
 उ कु पि भुङ्क्ते सु उ पु वे मा ॥ रु नि  
 न मि व म कु न सु उ भु उ ये कि दु  
 न उ मे या उ प मे मा ॥ १ ॥ <sup>व क भा न भा</sup> वे म दु  
 म क ग ल व द नै रु व डि कु उ ये उ उ  
 गे माः सु व कु भ न म गे मे सु उ  
 उ डि सु उः कुला सु कुला न सु डि कुला  
 कुले म य कु ल भु कु रु व उः रु डि  
 उ व मि कि पि उ दु पि नि मि उः ॥  
 न उ उ भु दे रु डि न म सु उ उ कः न भा

वि रु उ रु डि कु उ य भ मि उ मे व रु  
 उ भ न रु डि म च उ भु रु म भ च  
 मि रु वि रु डि डि सु उः <sup>कु पि न</sup> न मे व  
 य उ व कु नी रु व उ भु न सु डि पु वे मा  
 उ सु भु वे भु उ क गे डि क मि उ वे मः ॥  
 उ डि उ उ रु वे कु न म उ म ड रु मं लि  
 उ भा ॥ मि रं भे न उ व ल नं पु यु कुं  
 व रु व मि डिः ॥ उ डि मी म कु र मा रु  
 पु कुः ॥ रु नि न मि व म कु सु डि न उ मि व  
 म कु म क लं ए नं भा य भ ये पु भा लं



ॐ यद्विष्णुं कलंकुपं कवभृष  
 कीडितभा ॥ उभाउयदेविवि  
 लयमिद्रुलवता ॥ भयभृष  
 पुभंमैवगवृचनगरकुभभा ॥  
 एनकुंरुतवृकीनंक्रियकुभ  
 वडितभा ॥ केवलंवलितुंभं  
 विकल्पनिडतुंभा ॥ ॐ उभृते  
 भतेयैकिंरुत भामभृवीभृ  
 मुकिद्रुतपभृभयंभृकमक  
 भृमृतेयभचेभृकभृभृकभृ

भवती उंमैवृ वमिधूमिवभृमै  
 उट्टिगकभृभृपैकवतिभेया  
 उयमैवृ भृतावभृउंमिवनिव  
 ॐ उट्टपमैमंरुणरुण ॐ उट्टः ॥ ॥ ॥  
 नउमिवनिवभृउंकेरुणति  
 केनेययेन ॐ उमहृ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ललाकुइयभालेलिककुना  
 लेकुभादिनाहृवगता ॥ वैकुंभा  
 पकुंउपननिगमिभेयागटेभभा  
 नकुउतभाता ॥ ललाकुइयभा ॥ ॥



लल्लुं निजुयं भवतु वरुः  
 गगनैव कल्पना भव भवेभ  
 यः भयार्ह भवितु वै गगुड उ॥  
 लल्लुं केवलं मीमं गगुड उ॥  
 मिना कवगुड मुड निमं न नव  
 अल्लुं गगुड ये धुपम नमियतु  
 ते यतु ते गगुड कवगुड उ॥  
 भवति भवतु गगुड उ॥ यं गगुड  
 द्रवतु न यव वै क्वे भवतु गगुड उ॥  
 सुविम्वै न न न भवति गगुडः

लल्लुं निजुयं भवतु वरुः  
 गगनैव कल्पना भव भवेभ  
 यः भयार्ह भवितु वै गगुड उ॥  
 लल्लुं केवलं मीमं गगुड उ॥  
 मिना कवगुड मुड निमं न नव  
 अल्लुं गगुड ये धुपम नमियतु  
 ते यतु ते गगुड कवगुड उ॥  
 भवति भवतु गगुड उ॥ यं गगुड  
 द्रवतु न यव वै क्वे भवतु गगुड उ॥  
 सुविम्वै न न न भवति गगुडः



कवमिष्टमस्तु ॥३॥ ॥ इमं कंठे  
 ममात्मनः फलपुष्टं लुभामीषा  
 ननियं रत्न ॥ ॐ भावनमास्तु  
 गमिमेया मित्रं कुपात्रिभया ॥ १ ॥  
 इमं कंठे ममात्मनः फलपुष्टं लुभामीषा  
 मयैगस्तु मयै रत्नं नत्नं  
 मदेभिर्वियं लदात् पुष्टं लुभामीषा  
 उरस्तु नदीपुष्टं नत्नं ममात्रिणैकं  
 नमं विरुमभा न, ननियं रत्नं उम्भ  
 कुम्भं सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 पीयतु सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ

ॐ भावनमास्तु रत्नं नत्नं सुम्भ  
 विमं सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 सुयेयं के सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 मित्रं कुपात्रिभया ॥ सुम्भ सुदयमत्तं  
 नत्नं सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 नत्नं सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 उरस्तु नदीपुष्टं नत्नं ममात्रिणैकं  
 नमं विरुमभा न, ननियं रत्नं उम्भ  
 कुम्भं सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ  
 पीयतु सुदयमत्तं नमि मत्तं सुम्भ

+ मैत्रा मित्रं  
 कुपात्रिभया  
 मया



१  
 पगउपानयममभेयाएवे पगभद्र  
 रणीवद्रुके, येगाहृमेन येनद्रु  
 येविरुद्रुंके, रुनरुपे<sup>३</sup>वस्तिउभा  
 उडेया(भनेदिनाहवगउ) कीउध  
 कीउं वरालेधुरालेयव वृरुमेदि  
 पसुहृउविमं यउः भूलमुद्धेरुति  
 उरुमचरुद्धेधुगडिउं वडि नलेधुन  
 लः उरुमि मुराः यव यभागुमुया  
 भनामभ<sup>५</sup>वे येनवंतिणहुउ भयद्रु  
 डिडीनसुभनः मभु नंयेगयुजेन  
 उमहु<sup>६</sup> येमुगुननवा उरुधुधुभगुन